मोरछड़ी | by Sakshi Sahani

थारी मोरछड़ी सरकार
सर पे फिरा दियो एक बार
ओ म्हारा खाटू रा सरदार
बिगड़ी यो बण जावेगी म्हारी भी

ऐ को कितना करिश्मा यो जानू हूँ
थे ही सिर पे फिराओगे मानु हूँ
जैया भगत करे चित्कार
आओ लीले रा असवार
म्हारा खाटू रा सरदार
बिगड़ी यो बण जावेगी म्हारी भी

खोल्या ताला था श्याम बहादुर जी
थाने पट खोल्या भगता की खातिर जी
जद भी करा भगत मनुहार
थे करता हो बेड़ापार
म्हारा खाटू रा सरदार
बिगड़ी यो बण जावेगी म्हारी भी

म्हारी मनडे री सारी जानो बात जी
देर कइयाँ हो करसी दीनानाथ जी
केहवे स्नेह मेरे सरकार
थे ही म्हारा पालनहार
म्हारा खाटू रा सरदार
बिगड़ी यो बण जावेगी म्हारी भी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%8b%e0%a4%b0%e0%a4%9b%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a5%80-by-sakshi-sahani/